DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 24 मई 2022

NAME OF NEWSPAPERS--DATED----------------------

अबकी बार सीमापुरी में चलेगा एनबीटी सुरक्षा कवच अभियान

क्राइम ग्राफ का लेंगे जायजा, पुलिस-पब्लिक में होगा सीधा संवाद

Shanker.Singh@timesgroup.com

NBT सुरक्षा कवच
मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

■ **नई दिल्लीः** सीमापुरी, जिसके नाम से ही पता चल जाता है कि ये बॉर्डर का इलाका है। इस बार सीमापुरी थाना इलाके में चलेगा एनबीटी सुरक्षा कवच अभियान। ईस्टर्न रेंज के शाहदरा जिले के सीमापुरी थाना उत्तर प्रदेश के अप्सरा बॉर्डर से सटा है। यह 4.5 स्क्वॉयर किलोमीटर तक फैला है, जिसकी आबादी करीब 5.5 लाख है। डीडीए फ्लैट्स, पुनर्वास कॉलोनियां, बिल्डरों की बसाई कॉलोनी और झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर से मिला-जुला है ये एरिया। इसी साल फरवरी में पुरानी सीमापुरी के एक मकान से इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) यानी जुगाड़ बम मिलने से ये इलाका सुर्खियों में आया था।

शाहदरा जिले के ही जीटीबी एनक्लेव, विवेक विहार और नॉर्थ ईस्ट जिले का नंद नगरी थाना क्षेत्र सीमापुरी से सटे हैं। एक बहुत बड़ा हिस्सा यूपी के साहिबाबाद थाने से लगा हुआ है। गाजियाबाद जिले के शहीद नगर से सटी पुरानी सीमापुरी, साहिबाबाद के शालीमार गार्डन और डीएलएफ कॉलोनी से जुड़ी नई सीमापुरी, दिलशाद कॉलोनी, दिलशाद गार्डन डीडीए फ्लैट्स के सभी पॉकेट इसी थाने में आते हैं। झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया का ए-ब्लॉक, दिलशाद गार्डन मेट्रो स्टेशन, सीमापुरी बस डिपो और सबसे ज्यादा आवाजाही का पॉइंट अप्सरा बॉर्डर भी सीमापुरी में है। एलआईसी के स्टाफ क्वॉर्टर भी यहीं हैं।

कलंदर कॉलोनी, दीपक कॉलोनी, नई सीमापुरी की ई-ब्लॉक झुग्गी क्लस्टर, सनलाइट कॉलोनी, अराधक नगर, इंदिरा-नेहरू कैंप, राजेंद्र प्रसाद कैंप, राजीव कैंप और सोनिया कैंप झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर भी यहां हैं। बॉर्डर से सटा होने से यह इलाका क्राइम प्रोन है। पुलिस के लिए काफी चुनौती रहती है। शराब-ड्रग्स तस्करी, सट्टा, सेक्स रैकेट, चोरी, झपटमारी और गाड़ी चोरी की वारदातों को लगाम लगाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। एरिया में बड़े-बड़े पार्क हैं, जिनमें मॉर्निंग और इविनंग वॉकर्स के लिए पट्रोलिंग करनी पड़ती है।

एसीपी अक्षय कुमार रस्तोगी की निगरानी में एसएचओ विनय यादव की लीडरशिप में इंस्पेक्टर रामबीर सिंह और कुमार प्रशांत आनंद की टीम ने स्ट्रीट क्राइम पर लगाम लगाने से लेकर इलाके में रहने वाले आदतन अपराधियों की निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। इस हफ्ते आपको बताएंगे कि सीमापुरी इलाके में किस तरह का क्राइम होता है। घोषित बदमाशों और आदतन क्रिमिनल्स की किस तरह निगरानी की जाती है। पुलिस दिन और रात के अलावा भीड़-भाड़ के समय किस तरह की रणनीति अपनाती है। इसके अंतिम हिस्से में पुलिस और पब्लिक के बीच मीटिंग होगी, जिसमें जिले के आला अफसर मौजूद रहेंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 24 मई, 2022 ----------DATED----------

डीडीए ने पार्कों में बर्बाद हो रहे हरित कचरे को बना दिया 'हीरा'

वर्मी कंपोस्ट को ई-कामर्स साइट के जरिये बेचने की तैयारी

जागरण विशेष

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पार्कों का जो हरित कचरा कुछ समय पहले कौड़ियों का भी न था, वह अब 'हीरा' साबित होने लगा है, क्योंकि उसका मोल लाखों का हो चुका है। इस कचरे से वर्मी कंपोस्ट बनाकर डीडीए न केवल अपने पार्कों के लिए उर्वरकों की जरूरत को पूरा कर रहा है, बल्कि लोगों को भी नाममात्र की कीमत पर उपलब्ध करा रहा है। अब डीडीए इस वर्मी कंपोस्ट को ई-कामर्स साइट के जरिये देश के अन्य हिस्सों में भी बेचने की तैयारी में है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली में डीडीए के अधीन छोटे-बड़े मिलाकर 700 से अधिक पार्क हैं। इन सभी में सूखी पत्तियां, टहनियों एवं फलों का काफी हरित कचरा निकलता है। कोरोनाकाल से पहले या तो इन्हें कचरे में फेंक दिया जाता था या फिर इनमें आग लगा दी जाती थी, लेकिन डीडीए के प्रधान आयुक्त (उद्यान) राजीव कुमार तिवारी की पहल पर 78 पार्कों में इस हरित कचरे से वर्मी कंपोस्ट तैयार करने की शुरुआत की गई। इसका फायदा यह हुआ कि डीडीए को स्वयं के पार्कों के लिए उर्वरक खरीदने की जरूरत नहीं रही।

रोहिणी स्थित स्वर्ण जयंती पार्क मे हरित कचरे से तैयार की जा रही वर्मी कंपोस्ट • जागरण

हमारी वर्मी कंपोस्ट की गुणवत्ता को हर स्तर पर सराहा जा रहा है। हमारा उद्देश्य विशुद्ध लाभ कमाना नहीं है, इसीलिए इसे दिल्ली के साथ साथ देश के अन्य हिस्सों में भी बेचने की प्रक्रिया पर काम शुरू किया है। जल्द ही योजना पर का होगा। - राजीव कुमार तिवारी, प्रधान आयुक्त (उद्यान), डीडीए

अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 2020-21 में डीडीए ने अपनी नर्सरियों के जरिये महज 10 रुपये प्रतिकिलो की दर पर यह खाद दिल्लीवासियों को भी बेचनी शुरू कर दी। मुफ्त इसलिए नहीं दी, क्योंकि लोग उसकी कद्र नहीं करते। रिस्पांस अच्छा रहा तो इसकी कीमत 15 रुपये प्रति किलो कर दी गई। वर्ष 2021 में डीडीए ने 13 हजार क्विंटल खाद तैयार की, जिससे करीब 35 लाख रुपये की आय हुई, जबकि इस वर्ष 40 हजार क्विंटल खाद बनाने और करीब 75 लाख रुपये की आय का लक्ष्य रखा गया है। अतिरिक्त 55 पार्कों में यह खाद बनाने का काम अप्रैल में ही शुरू किया गया है।

अब इस खाद को देश के अन्य हिस्सों में भी बेचने की तैयारी है। इसके लिए अमेजन सहित तमाम ई-कामर्स कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। इनके जरिये एक, दो, पांच और 10 किलो की पैकिंग में खाद बेची जाएगी। देश भर में 'नो प्राफिट, नो लोस' की सोच पर आर्गेनिक खाद मुहैया कराई जाएगी और डीडीए की आय में भी इजाफा किया जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- DATED----------

नई दिल्ली। मंगलवार • 24 मई • 2022 | राष्ट्रीय सहारा

अनधिकृत कब्जे के आरोप को लेकर मुख्यमंत्री पर बरसे रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में सरकारी या सार्वजनिक जमीन पर अनधिकृत कब्जों को लेकर अब भाजपा और आप के नेता व्यक्तिगत रूप से आमने-सामने आ गए हैं। दक्षिणी दिल्ली से भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने आप के प्रवक्ता के आरोपों के जवाब में पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि मेरे पास केजरीवाल के उन तमाम विधायकों की सूची है, जिन्होंने सरकारी जमीन पर अनधिकृत कब्जे कर रखे हैं और उनके ऊपर सरकारी संस्थाओं ने प्राथमिकी भी दर्ज करा रखी है। खासबात यह है कि अपने ऊपर आरोप लगाने वालों को भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने मानमानि का नोटिस भेजा है। यह जानकारी उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में दी।

आरोप लगाने वालों को भाजपा सांसद ने भेजा मानहानि का नोटिस

भाजपा सांसद ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि हमें पता है कि वह कितने हरिश्चंद्र हैं और उनके विधायक कितने ईमानदार है। मीडिया के माध्यम से उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री अभी तक अपनी और अपने विधायकों की संपत्ति की सूची ऑन लाइन क्यों नहीं डाली है। पत्रकारों से निवेदन करते हुए आग्रह किया कि वह आप के प्रमुख नेता से पूछें कि उनकी एवं पार्टी की संपत्ति का हिसाब कहां है।

अलीबाबा (केजरीवाल)- अपने 40 चोर विधायकों को बचाने में लगे हैं। इसीलिए अन्य लोगों की फेक सूची जारी कर रहे हैं। बिधूड़ी ने तुगलकाबाद, संगम विहार, देवली और अंबेडकर नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायकों का नाम लेते हुए कहा कि इसमें से एक विधायक ने डीडीए के पार्क पर कब्जा किया हुआ है और डीडीए ने उनके ऊपर प्राथमिकी भी दर्ज करा रखी है। संगम विहार के स्थानीय विधायक ने तो पांच मंजिला अनधिकृत इमारत बनायी हुई है। नगर निगम ने नोटिस भेजा हुआ है। एक विधायक तो बारात घर पर ही कब्जा कर अपना कार्यालय चला रहे हैं। जबकि बारातघर आम लोगों की सुविधा के लिए हैं। भाजपा विधायकों ने अन्य विधायकों के बारे में भी इस तरह की जानकारी दी।